अवैध प्लाईवुड फैक्ट्री में लगी भीषण आग लगने से केमिकल के ड्रम में हुए धमाके

लखनऊ(संवाददाता)। चिनहट क्षेत्र के तिवारीगंज शिवपुरी इलाके में स्थित अवैध प्लाईवुड फैक्ट्री में बुधवार तड़के एकाएक आग लग गई। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आने से फैक्ट्री में रखे केमिकल के ड्रम ताबड़ तोड़ धमाकों के साथ फटे। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों की मदद से करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तिवारीगंज स्थित मेघालय प्लाईवुड फैक्ट्री से बुधवार तड़के धुंआ और आग की लपटें निकलती देख पड़ोस में रहने वाली यूपी ११२ की कर्मचारी ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आस पड़ोस के लोग दौड़े उन्होंने पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग बेकाबू होते देख लोगों ने दमकल और पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में एफएसओ मदन कुमार ने टीम के साथ फायर फाइटिंग शुरू की। इस बीच आग की तपिश से फैक्ट्री में रखे केमिकल के ड्रम तेज धमाके के साथ फटने लगे। इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद इंदिरानगर फायर स्टेशन, हजरतगंज से दमकल की गाड़ियां मंगाई गई। दमकल कर्मियों ने करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पा लिया। फैक्ट्री में अग्निकांड के दौरान चारों तरफ भीषण धुंआ फैल गया। दमघोंटू धुंए के कारण शिवपुरी इलाकों में रहने वाले लोगों और फायर फाइटिंग कर रही टीम को आग पर काबू पाने में काफी दिक्कतें हुईं। लोग घरों से निकलकर बाहर आ गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि फैक्ट्री शिवपुरी इलाके में बनी है। कई बार यहां हादसे हो चुके हैं। इस कारण फैक्ट्री को हटाने के लिए कई बार लोग हंगामा और बवाल भी कर चुके हैं। लोगों ने आलाधिकारियों को भी प्रार्थनापत्र दिया है। बताया जा रहा है कि स्थानीय लोगों की मांग पर फैक्ट्री हटाने के लिए नोटिस भी जारी हुई थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई।

मानव जीवन रक्षा के लिए मंडलायुक्त व डीएम व सहायक निरीक्षक निबंधन को निर्देशित किया गया:-रवीन्द्र जायसवाल

लखनऊ(संवाददाता)। कोरोना संक्रमण कोविड-१९ के तेजी से बढ़ते मामलों व संक्रमण से बचाव व नियंत्रण के दृष्टिगत प्रदेश के स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग द्वारा प्रदेश के निबंधन कार्यालयों में पुनः पूर्व अपॉइंटमेंट व्यवस्था प्रारम्भ की गई है। जिसके तहत एक कार्य दिवस में अधिक से अधिक ३० लेखपत्रों के पंजीकरण के लिए अपॉइंटमेंट दिए जाएंगे यह जानकारी देते हुए प्रदेश के स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में राज्य की वित्तीय स्थिति एवं मानव जीवन की रक्षा एवं सुरक्षा के दृष्टि से निबंधन कार्यालय द्वारा निर्गत पूर्ववर्ती समस्त दिशा निर्देशों को अवक्रमित करते हुए समस्त जिलाधिकारी व मंडलायुक्त तथा समस्त उप सहायक निरीक्षक निबंधन को इस संबंध में दिशा निर्देश निर्गत किए गए हैं। जायसवाल ने बताया कि व्यवहारिक पक्ष को देखते हुए निबंधन शुल्क २०,००० रुपए से अधिक की धनराशि का भुगतान यथासंभव ऑनलाइन ही स्वीकार किया जाएगा। इसके साथ ही वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में स्थानीय स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए समय की उपलब्धता एवं सुरक्षा को ध्यान में रखकर यदि अपॉइंटमेंट के माध्यम से पंजीकृत किये जाने वाले विलेखों से अतिरिक्त समय उपलब्ध रहता है, तो उप निबंधक द्वारा टोकन व्यवस्था के माध्यम से विलेखों का पंजीकरण किया जा सकेगा इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए महानिरीक्षक निबंधन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि पूर्व अपॉइंटमेंट की व्यवस्था में किसी भी दशा में बिना पूर्व अपॉइंटमेंट के पंजीकरण के लिए कार्यालयों में पक्षकारों की उपस्थिति अनुमन्य नहीं होगी। उन्होंने यह भी बताया कि विलेख की तैयारी के पश्चात पक्षकारों को विलेख की जांच संबंधित कार्यालय के निबंधन सहायक द्वारा करानी होगी, जिससे आरक्षित समय में पक्षकारों के विलेख के निबंधन का कार्य सुगमता पूर्वक संपादित किया जा सके। डॉ. जैकब ने बताया कि १ जून, २०२० को इस संबंध में आदेश जारी किए गए थे, जिसके तहत राज्य में राजस्व वृद्धि तथा अधिक से अधिक आम जनों को पंजीकरण की सुविधा मुहैया कराए जाने के दृष्टिगत लागू अनिवार्य अपॉइंटमेंट की व्यवस्था वैकल्पिक करते हुए अपॉइंटमेंट व्यवस्था के साथ-साथ बिना अपॉइंटमेंट की रजिस्ट्री निष्पादित करने के निर्देश दिए गए थे।

आईआईटी में कोरोना संक्रमण ने दी दस्तक,हॉस्टल खाली करने का निर्देश

कानपुर कोरोना संक्रमण आईआईटी में भी पैर पसारने लगा है। यहां अब तक १०० से ज्यादा छात्र-छात्राएं संक्रमित हो चुके हैं, जबकि कई में कोरोना जैसे लक्षण मिले हैं। संस्थान की ओर से उन्हें घर जाने का सुझाव दिया गया है। तीन दर्जन से अधिक फैकल्टी और स्टाफ की रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है। कैंपस में ही छात्रावास, योग सेंटर, स्नेहालय, विजिटर हॉस्टल और इंटरनेशनल हॉस्टल को आइसोलेशन सेंटर बनाया गया है। यह छात्रों और शोधार्थियों के लिए है। फैकल्टी और स्टाफ को घर में ही आइसोलेट रहना होगा। अप्रैल के पहले हफ्ते में पीएचडी और एमटेक के कई छात्र संस्थान में आए। कुछ फैकल्टी भी दूसरे शहर से वापस लौटी। उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई। उन्हें आइसोलेट किया गया,लेकिन चेन बढ़ती ही चली गई। एक छात्रावास से दूसरे छात्रावास तक संक्रमण बढ़ गया। आइआइटी निदेशक प्रो अभय करंदीकर ने बताया कि छात्रों को एहतियात के लिए घर जाने का सुझाव दिया गया है। कैंपस में कई जगह आइसोलेशन सेंटर बनाए गए हैं। यहां २४ घंटे हेल्पलाइन और डॉक्टरों से परामर्श की सुविधा रहेगी। संस्थान के ६८ छात्र-छात्राओं को होम आइसोलेशन में इंटरनेशनल हॉस्टल में रखा गया है। वहां उनको सभी तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं।

दुर्दशा पर आंसू बहा रहा हैदरियाबाद से बदोसराय मुख्य मार्ग को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग

शिकायत के बावजूद अधिकारी व जनप्रतिनिधि नहीं ले रहे संज्ञान

बाराबंकी(संवाददाता): हैदरियाबाद से बदोसराय मुख्य मार्ग को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है ऐसा तब है जब इस मार्ग पर हजारों सैकड़ों लोगों के साथ-साथ परिवहन निगम की बसों का संचालन भी होता है लेकिन इसका कोई पुरसाहाल नहीं है जिससे सड़क की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है और उक्त संपर्क मार्ग पर पैदल चलना भी दूभर हो रहा है जिसके चलते इस मार्ग से गुजरने वाले लोग कई किलोमीटर अधिक दूरी तय यात्रा करने को विवश है किंतु ना तो जिम्मेदार विभाग और ना ही बड़े-बड़े दावे करने वाले सरकार के जनप्रतिनिधि को यह सब दिखाई पड़ रहा है जिसको लेकर क्षेत्रीयजनों में आक्रोश भी है विदित हो कि यूं तो जिला मुख्यालय से अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग वाया भिटरिया होते हुए हैदरियाबाद जाने के लिए अच्छी खासी सड़क है किंतु इस मार्ग पर ना जाकर लोग कम दूरी के चलते सफदरगंज से बदोसराय मार्ग पर स्थित हैदरियाबाद संपर्क मार्ग से होकर जाते हैं इससे न केवल समय की बचत होती है बल्कि खर्चा भी कम होता है इसी को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय बेनी प्रसाद वर्मा ने अपने कार्यकाल में उक्त मार्ग का निर्माण कराया था जिससे न केवल सैकड़ों गांव के हजारों लोग मुख्य धारा से जुड़ गए थे बल्कि परिवहन निगम को इस मार्ग पर बसों का संचालन कराने के लिए भी मजबूर होना पड़ा था। तब से इस मार्ग पर आवागमन का भारी दबाव रहता है किंतु इधर लंबे समय से ध्यान न दिए जाने से उक्त मार्ग जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गया है जगह-जगह सड़कें टूटकर गड्ढों में तो तब्दील हो ही गई है कई स्थानों पर सड़क बह जाने से उसका अस्तित्व ही खतरे में है यह कोई एक या दो किलोमीटर की बात नहीं है पूरे बीस किमी की दूरी खतरों से पटी पड़ी है जिससे लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं आधे घन्टे का सफर दो घन्टो में तय करना पड़ता है दिन में तो किसी तरह यात्रा कर सकते है लेकिन रात में किसी बड़े जोखिम से कम नहीं है जरा सी असावधानी आपको अपनों से अलग कर सकती है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि इस बाबत कई बार जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर मार्ग दुरुस्त कराने की मांग भी की जा चुकी है तथा अधिकारियों को भी लिखित व मौखिक अवगत कराया जा चुका है किंतु कोई सुनवाई नहीं हो रही है जिससे मार्ग का बहुत बुरा हाल है गड्ढा मुक्त सड़कें प्रदेश सरकार का नारा हवा-हवाई साबित हो रहा है आलम यह है कि इस २० किलोमीटर के सफर में मुसीबत ही मुसीबत है जरा सी असावधानी आपको परिवार से जुदा होने से भी इंकार नहीं किया जा सकता है।

वन विभाग की लापरवाही बना युवक की मौत का कारण

एक सप्ताह पूर्व आयी आंधी में सड़क पर झुके बबूल के पेड़ से टकराकर दूरसंचार कर्मी की मौत

मसौली बाराबंकी(संवाददाता)। वन विभाग की लापरवाही के कारण एक युवक की जान चली गयी। एक सप्ताह पूर्व आयी आंधी में सड़क पर झुके बबूल के पेड़ से टकराकर दूरसंचार कर्मी गम्भीर रूप से घायल हो गया परिजन इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुँचे इलाज से पूर्व ही घायल युवक ने दम तोड़ दिया। उल्लेखनीय हो कि गत सप्ताह आयी आँधी में सफदरगंज बदोसराय मार्ग पर एक बबूल का पेड़ झुक कर सड़क पर आ गया जिसकी जानकारी देने के बाद भी वन विभाग ने झुके हुए पेड़ को सड़क से नहीं हटवाया। मंगलवार की देर रात सफदरगंज कस्बे के निवासी ४५ वर्षीय आलोक कुमार श्रीवास्तव पुत्र रामलाल कस्बे से लखनऊ की ओर अपनी बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान वह बबूल के पेड़ की टहनियों से जा टकराकर सड़क पर गिरकर बुरी तरह लहूलुहान हो गये। जानकारी पर पहुँचे परिजन आनन फानन में जिला अस्पताल पहुँचे परन्तु इलाज शुरू होने से पूर्व ही आलोक श्रीवास्तव ने दम तोड़ दिया। वन विभाग की लापरवाही से लोगो में रोष व्याप्त है इसी क्रम में मसौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाइवे पर किंहौली मोड़ पर कार की टक्कर से बाइक पिता पुत्र गम्भीर रूप से घायल हो गये जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बुधवार की सुबह थाना व कस्बा सतरिख निवासी ६० वर्षीय राम लाल पुत्र स्वर्गीय गणेशी प्रसाद अपने पुत्र के साथ बाइक से बाराबंकी से रामनगर की ओर जा रहे थे हाइवे पर बाइक सवार किंहौली मोड़ के निकट पहुंचे ही थे कि पीछे से आ रही कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें रामलाल व पुत्र घायल हो गया। पिता पुत्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बढ़ागांव में भर्ती कराया गया जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र शर्मा ने बताया सड़क दुर्घटना में घायल को बाराबंकी भेजा गया है ठोकर मारने वाली कार को कब्जे में ले लिया गया।

चोरों ने मकान का ताला तोड़कर नगदी और जेवर उड़ाये

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर घर में रखी नगदी और जेवरात सहित कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित को जब घटना की जानकारी हुई तो उसके होश उड़ गए। घटना की जानकारी पीड़ित ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तहरीर के आधार पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर पूरे मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, थाना पर अजय सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह भदौरिया निवासी रस्तोगी ने सूचना दी कि वह २३ अप्रैल को अपने परिवार के साथ भांजे की शादी में मुरैना मध्य प्रदेश गया हुआ था। २७ अप्रैल की शाम को वह अपने मकान पर वापस लौटकर आया तो उसके मकान के दरवाजे के ताले टूटे पड़े थे। सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी का लॉकर भी टूटा था। जिसमें गहने गायब थे। मौके पर रखे ३० हजार रुपये भी चोरों ने चोरी कर लिया था। इस संबंध में पुलिस ने चोरी का मुकदमा पंजीकृत कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।